दैनिक भास्कर

हिंदुस्तान जिंक के उत्पादन से प्रदेश की दिवाली-राजस्व से हो रही प्रदेश की उन्नति

भास्कर न्यूज | उदयपुर

खनिजों, धातुओं और अवसरों का प्रदेश राजस्थान जिंक और चांदी से चमक रहा है। जिसने राज्य को धातु उत्पादन के वैश्विक मानचित्र पर ला खड़ा किया है। हिंदुस्तान जिंक द्वारा राजस्थान से 5 जिंक और लेड खदानों और 3 स्मेल्टरों का संचालन किया जा रहा है, पिछले 5 वर्षों में हिन्दुस्तान जिंक ने राजस्थान सरकार को रॉयल्टी और जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) और राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट में औसतन 3,250 करोड़ रुपए सालाना योगदान दिया है जो 16,350 करोड़ रुपए है। जिससे प्रदेश के खजाने में प्रतिदिन 10 करोड़ की आय होती है। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि कंपनी ने दुनिया की सबसे उच्च तकनीकों का उपयोग कर विनिवेश से लेकर अब तक धातु उत्पादन को मात्र 2 लाख टन से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2024 में 10 लाख टन कर दिया है। पिछले दो दशकों में सिर्फ चांदी के उत्पादन में ही 15 गुना वृद्धि देखी गई है। यह सारी वृद्धि स्थिरता की आधारशिला पर हुई है। कंपनी को 2023 में एसएंडपी ग्लोबल द्वारा विश्व की सबसे सस्टेनेबल कंपनी के रूप में मान्यता दी गई है। भीलवाड़ा जिले में स्थित हिंदुस्तान जिंक की प्रमुख माइंस रामपुरा आगुचा खदान, जिसे विश्व स्तर पर दुनिया की सबसे बड़ी भूमिगत जस्ता खदान के रूप में जाना जाता है, अकेले राज्य के खजाने में रॉयल्टी के रूप में सालाना 1,700 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान देती है। उदयपुर और सलूंबर जिले में स्थित एक अन्य प्रमुख खदान, जावर ग्रुप ऑफ माइंस भी विश्व की सबसे पुरानी जिंक खनन क्षेत्र में से है, जिससे 600 करोड़ सालाना राजस्व की प्राप्ति होती है। राजसमंद जिले में स्थित कंपनी की सिंदेसर खुर्द खदान और राजपुरा दरीबा खदान रॉयल्टी के रूप में राज्य के खजाने में सालाना 1,100 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान देती हैं। हिंदुस्तान जिंक ने पिछले पांच वर्षों में सरकारी खजाने में 77,803 करोड़ रुपए का योगदान दिया है, जिसमें सरकारी रॉयल्टी, आय पर कर, कॉर्पोरेट लाभांश, अप्रत्यक्ष कर और इस तरह के अन्य योगदान शामिल हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में ही हिंदुस्तान जिंक ने सरकारी खजाने में 13,000 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान दिया, जो इसके कुल राजस्व का लगभग 46 प्रतिशत है, इस प्रकार कंपनी ने प्रदेश और देश के विकास में योगदान दिया है। वर्ष 2002 में कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी के विनिवेश के समय यह योगदान मात्र 332 करोड़ रुपए था। हिंदुस्तान जिंक भारत तेज बढ़ते आर्थिक विकास को गति देने, विश्व स्तरीय सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए अपनी उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने की योजना बना रही है, ऐसे में राजकीय कोष और राज्य की समृद्धि में कंपनी का योगदान और भी अधिक महत्वपूर्ण रूप से बढ़ेगा।

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती